17 को होगा चिड़ियाघर एवं रेस्क्यू सेंटर का शिलान्यास

1200 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन



राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और तीर्थ क्षेत्रों के विकास से उज्जैन में व्यापक बदलाव आया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और बाबा महाकाल महालोक जैसे प्रकल्पों से धार्मिक पर्यटन को नई गति मिली है। वर्ष 2022 के बाद उज्जैन के विकास में उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को उज्जैन में 1211.34 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न विकास एवं जीर्णोद्धार कार्यों के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ 2028 की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। शहर में बुनियादी सुविधाओं के विकास के साथ सिंहस्थ मेला क्षेत्र में नई सड़कों और भूमिगत सीवर लाइन का विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि उज्जैन में 17 नवंबर को चिड़ियाघर एवं वन्यजीव बचाव केंद्र का भूमि-पूजन किया जाएगा। सड़क चौड़ीकरण के लिए स्वेच्छा से मकान छोड़ने वाले परिवारों को बहुमंजिला भवनों में निःशुल्क आवास दिया जाएगा। जिनकी दुकानें प्रभावित हुई हैं, उन्हें खाली जमीन पर विकसित किए जाने वाले बाजार में दुकानें उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि सिंहस्थ मेला क्षेत्र में सड़क निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण के बदले किसानों को चार गुना मुआवजे के चेक वितरित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंगारेश्वर महादेव मंदिर, गढ़कालिका माता मंदिर और सांदीपनि आश्रम सहित उज्जैन के प्रमुख धार्मिक स्थलों का विकास किया जा रहा है।

भाईदूज पर बहनों सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए की प्रार्थना

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भाईदूज के पावन अवसर पर बाबा महाकाल से प्रदेश की सभी बहनों के जीवन में सदैव सुख-समृद्धि और खुशहाली बनाएं रखने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहन का प्रेम, जीवन की अनमोल पूंजी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बड़ी बहन कलावती दीदी से उज्जैन में आज मंगलवार को स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त किया।

विश्व विज्ञान दिवस की शुभकामनाएं दीं

नप्र, भोपाल :मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व विज्ञान दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह अवसर प्रेरित करता है कि विश्व शांति, मानव कल्याण और अत्याधुनिक तकनीक से प्रगति के लिए विज्ञान के प्रति विश्वास मजबूत हो।



बोहरा समाज शांतिप्रिय, देशभक्त और व्यापारिक गतिविधियों में अग्रणीः डॉ. यादव

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को उज्जैन में बोहरा समाज के धर्मगुरु सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब से भेंट की। इस दौरान सैफुद्दीन साहब ने मुख्यमंत्री को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने उनका अभिनंदन किया और उपस्थित बोहरा समाज के लोगों को दीपावली की बधाई दी। भेंट के दौरान प्रदेश में चल रहे विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और सिंहस्थ-2028 के आयोजन को लेकर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि बोहरा समाज शांतिप्रिय, व्यापारिक गतिविधियों में अग्रणी और देशभक्त समाज है। देश के विकास में समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और आगे भी यह योगदान निरंतर बना रहेगा।

शिक्षक पात्रता परीक्षा 20 दिसंबर को, 34,199 शिक्षक होंगे शामिल

- जिला मुख्यालयों पर सुबह 11 बजे से होगी ऑफलाइन परीक्षा
- आवेदन की तारीख तीन बार बढ़ाने के बाद भी कम शिक्षकों ने किया पंजीयन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मध्यप्रदेश में शिक्षकों की पहली पात्रता परीक्षा 20 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने परीक्षा की तारीख घोषित कर दी है। परीक्षा प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर ऑफलाइन माध्यम से सुबह 11 बजे से होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को वर्ष 2028 तक तीन साल के अंतराल में शिक्षकों की पात्रता जांचने के लिए परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने हर साल दो परीक्षाएं कराने को कहा है, लेकिन मध्यप्रदेश में इस वर्ष एक ही परीक्षा आयोजित हो सकेगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने लोक शिक्षण आयुक्त को पत्र लिखकर 13 या 20 दिसंबर को परीक्षा कराने का प्रस्ताव दिया था। इसके बाद लोक शिक्षण आयुक्त कार्यालय ने 20 दिसंबर को परीक्षा कराने पर सहमति दी। मंडल के सचिव बुद्धेश वैद्य ने इसके आधार पर परीक्षा की तारीख घोषित की है। विस्तृत दिशा-निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे।

प्रदेश में पात्रता परीक्षा के दायरे में करीब डेढ़ लाख शिक्षक बताए जा रहे हैं। आवेदन की तारीख तीन बार बढ़ाए जाने के बावजूद कुल 34,199 शिक्षकों ने ही आवेदन किया है। इनमें करीब 20 हजार सरकारी और 14 हजार निजी विद्यालयों के शिक्षक शामिल हैं। शिक्षक संगठनों ने ग्रामीण क्षेत्रों में पदस्थ शिक्षकों की कंप्यूटर दक्षता को देखते हुए ऑनलाइन के बजाय ऑफलाइन परीक्षा कराने की मांग की थी। इसके बाद परीक्षा माध्यमिक शिक्षा मंडल को कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

पांच दिवसीय केरल फेस्ट आज से

नप्र, भोपाल : केरल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और मध्यप्रदेश की पारंपरिक एवं लोक कलाओं को एक मंच पर प्रस्तुत करने के लिए केरल फेस्ट 2026 का तृतीय संस्करण 11 नवंबर से भोपाल में शुरू होगा। पांच दिवसीय इस महोत्सव का आयोजन केरल और मध्यप्रदेश के स्थापना दिवसों के स्मरण तथा राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को समर्पित है। महोत्सव का उद्घाटन केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा पर्यटन राज्यमंत्री सुरेश गोपी की उपस्थिति में होगा। आयोजन में केरल की प्रसिद्ध लोक एवं शास्त्रीय कलाओं की प्रस्तुतियां होंगी। इनमें पुलिकली (बाघ नृत्य), पडयणी, कुरुथियाट्टम और ओट्टंथुल्लल प्रमुख हैं। इसके अलावा संगीत, नृत्य, ऑर्केस्ट्रा और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। महोत्सव में मध्यप्रदेश सहित देश के अन्य राज्यों की लोक कलाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को भी मंच मिलेगा।

प्रदेश के पांच शासकीय मेडिकल कॉलेजों में शुरू हुई एनएटी जांच सुविधा



नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः प्रदेश में सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पांच शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में एनएटी (न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्टिंग) जांच सुविधा शुरू की गई है।

इसके तहत भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और रीवा के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों को हब सेंटर बनाया गया है। इनसे प्रदेश के विभिन्न जिलों के 57 ब्लड सेंटर्स को जोड़ा गया है। इससे पहले यह सुविधा प्रदेश के केवल दो हब सेंटर्स तक सीमित थी। अब 23 अक्टूबर 2026 से सभी पांच हब सेंटर्स पर आईडी-एनएटी मशीनें स्थापित कर जांच शुरू कर दी गई है। एनएटी जांच के माध्यम से रक्त में एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी और हेपेटाइटिस-सी जैसे संक्रमणों की पहचान विंडो पीरियड में भी संभव होगी। इस तकनीक से संक्रमण की पहचान की अवधि लगभग 45 दिन से घटकर पांच दिन तक हो सकेगी। इससे संक्रमित रक्त चढ़ाने का जोखिम कम होगा और मरीजों को सुरक्षित रक्त एवं रक्त अवयव उपलब्ध कराए जा सकेंगे। इस सुविधा का विशेष लाभ सिकल सेल एनीमिया, थैलेसीमिया, हीमोफीलिया, डायलिसिस और कैंसर से पीड़ित मरीजों को मिलेगा। इन मरीजों को उपचार के दौरान बार-बार रक्त की आवश्यकता होती है।

अमरकंटक में पारा 10.8 डिग्री पर

न्यूनतम तापमान लुढ़कने की संभावना

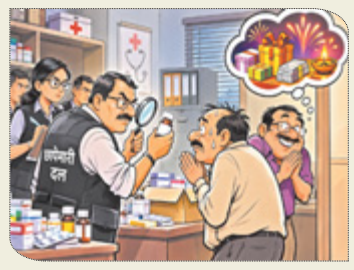
नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश का मौसम वर्तमान में शुष्क बना हुआ है। किसी प्रभावी मौसम प्रणाली के सक्रिय न रहने से आसमान भी साफ बना हुआ है। इस वजह से उत्तर भारत की तरफ से आ रही शीतल हवाओं के कारण रात में सिहरन बरकरार है। इसी क्रम में मंगलवार को रात का सबसे कम 10.8 डिग्री सेल्सियस तापमान अनूपपुर में दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक दो दिन में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस तक की और गिरावट हो सकती है।

मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ ईरान और उसके आसपास द्रोणिका के रूप में बना हुआ है। दक्षिण-पूर्वी राजस्थान एवं उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना हुआ है। उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश से उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश तक एक द्रोणिका बनी हुई है। जो मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, एवं ओडिशा से होकर 3.1 किलोमीटर की ऊंचाई से गुजर रही है। मौसम विज्ञानी पीके रायकवार ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ को उत्तर भारत में सक्रिय होने में लगभग दो दिन का समय लगेगा। इस वजह से अभी मौसम के मिजाज में परिवर्तन की संभावना कम है। मौसम पूरी तरह शुष्क बना हुआ है। इस वजह से दो में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस तक की और गिरावट हो सकती है। मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ की तीव्रता को देखते हुए दो दिन बाद उत्तर भारत के पहाड़ों पर अच्छी बर्फबारी होने की उम्मीद है। हालांकि दो दिन बाद हवाओं का रुख बदलने से न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी भी हो सकती है।



• दीपावली में बजट बढ़ा...

जनता की सेहत से जुड़े एक विभाग में पिछले दिनों कुछ ज्यादा ही छापेमारी हुई। विभाग में पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को इतनी कार्रवाई तो पूरे साल भर में करते नहीं देखा गया। आपसी चर्चा में सामने आया कि जितनी ज्यादा छापेमारी होगी, नियमित रूप से आने वाली सहयोग निधि से दीपावली पर अतिरिक्त खर्च निकालने के लिए उतना ही दबाव बनेगा। इसलिए इतनी फुर्ती दिखाई जा रही थी।





• कर्मचारियों के नाम बिल, जाना कहीं और...

किसानों से जुड़े एक विभाग के भंडारण करने वाले निगम में इन दिनों एक अलग ही चर्चा हो रही है। निगम में कर्मचारियों की कुल संख्या से दस गुना ज्यादा गिफ्ट खरीदे गए। कर्मचारियों को मिले या नहीं, यह जांच का विषय है, लेकिन विभाग के माननीय प्रशासनिक अधिकारियों ने जरूर 100, 200, 500 एवं हजार पैकेट अपने-अपने बंगलों पर बुलवा लिए। लेकिन बांटे कहां गए, यह जांच का विषय है, क्योंकि जिनके नाम पर खरीदारी हुई, उनको मिले या नहीं?

• जाना कहीं और था, पहुंच कहीं और गया...

दीपावली का त्योहार मिलने-मिलाने और आपसी संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने का अवसर होता है। एक बड़े साहब ने भारी-भरकम बजट में एक शानदार गिफ्ट खरीदकर आने वाले समय में अपनी जमावटों को और मजबूती देने के लिए गिफ्ट तो भेजा, लेकिन पता गलत था। डिलीवरी होने के बाद पता चला कि जहां नहीं भेजना था, वहीं चला गया।





• साहब की सहृदयता...

राजधानी से लगे हुए एक जिले में जिलाध्यक्ष की सहृदयता के चर्चे खूब हो रहे हैं। साहब ने प्रधानमंत्री जी की लोकल फॉर वोकल की अपील को अपने जिले में अमली जामा पहनाने में जमकर मेहनत की। उसका फायदा भी मिला। छोटे-छोटे ग्रामीण लघु उद्योगों को साहब के जिले में व्यापार के खूब अवसर मिले। ग्रामीण दुकानदारों ने तो यहां तक कहा कि साहब की पहल से पहली बार हमारी भी दिवाली अच्छी हुई।

• जमीन पर बैठकर जमीन दिखाई...

महाकौशल क्षेत्र के एक जिले में आम आदमी को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर साहिबा अचानक गांव में पहुंचीं और ग्रामीणों के साथ जमीन पर बैठकर संबंधित अधिकारियों को सबके सामने जमीन दिखाई। सामने ही सभी ग्रामीणों के काम पूरे करवाने का यह अंदाज आम आदमी को बहुत भाया।





• विभाग किसी का, ले कोई और गया...

दीपावली पर्व पर कुछ विभाग ऐसे हैं, जहां स्वेच्छा से बिना मांगे ही बहुत कुछ चढ़ावा आता है, लेकिन कुछ गफलत के चलते जहां जाना था, वहां न जाकर किसी और विभाग के आला बड़े साहब के पास पहुंच गया। हालांकि उनका विभाग भी संबंधित की सूची में शामिल था, लेकिन बजट कम-ज्यादा होने के चलते गफलत हो गई।

साल में तीन बार पर्यावरण संरक्षण अभियान चलाएंगे शिवराज

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः गोवर्धन पूजा के अवसर पर भोपाल के स्मार्ट पार्क में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूजन-अर्चन के बाद पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए वर्ष में तीन विशेष अवसरों पर बड़े स्तर पर अभियान चलाने की घोषणा की।

ये आयोजन विश्व पर्यावरण दिवस, हरियाली अमावस्या और गोवर्धन पूजा पर किए जाएंगे। शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्ष मित्र परिवार नाम से संगठन बनाया गया है। इसका उद्देश्य जनजागरण के माध्यम से लोगों को प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है। इस अभियान से देशभर के लोगों को जोड़ा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा प्रकृति की आराधना का पर्व है। इस अवसर पर प्रत्येक व्यक्ति को पौधा लगाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने लोगों से जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ, बच्चों के जन्मदिन और पूर्वजों की पुण्यतिथि जैसे विशेष अवसरों पर पौधारोपण करने की अपील की।

शिवराज ने कहा कि जब हम आने वाली पीढ़ियों की बात करते हैं, तो उसमें केवल मनुष्य ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षी और कीट-पतंगे भी शामिल हैं। पेड़-पौधे पूरी जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र का आधार हैं। इनके बिना धरती पर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती।

उल्लेखनीय है कि शिवराज सिंह चौहान ने 19 फरवरी 2021 को नर्मदा जयंती पर प्रतिदिन एक पौधा लगाने का संकल्प लिया था। इसकी शुरुआत उन्होंने अनूपपुर जिले के अमरकंटक में रुद्राक्ष और साल का पौधा लगाकर की थी। इस संकल्प के तहत अब तक वे देशभर में 4,500 से अधिक पौधे लगा चुके हैं। मध्यप्रदेश सहित 20 से अधिक राज्यों में उनके लगाए पौधे अब पेड़ों का रूप ले रहे हैं।

70 हजार शिक्षकों के एरियर्स के मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंची प्रदेश सरकार

- छठवें वेतनमान के बकाया भुगतान पर 5600 करोड़ रुपये का अनुमानित खर्च
- हर साल वेतनवृद्धि से 1300 करोड़ का अतिरिक्त भार

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश सरकार ने प्रदेश के करीब 70 हजार शिक्षकों को छठवें वेतनमान का एरियर्स देने के जबलपुर हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

सरकार ने याचिका में प्रदेश की वित्तीय स्थिति का हवाला देते हुए भुगतान से जुड़े वित्तीय भार से राहत देने की मांग की है। सरकार के अनुसार, शिक्षकों को वर्ष 2006 से एरियर्स देने पर करीब 5600 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा वेतनवृद्धि के कारण हर साल लगभग 1300 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय भार आएगा। सरकार का कहना है कि प्रदेश की मौजूदा आर्थिक स्थिति में इतनी बड़ी राशि का खर्च वहन करना मुश्किल है। हाईकोर्ट ने करीब 70 हजार शिक्षकों को वर्ष 2006 से छठवें वेतनमान का एरियर्स देने के निर्देश दिए थे। इससे पहले भी राज्य सरकार ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की थी, जिसे न्यायालय ने खारिज कर दिया था। इसके बाद हाईकोर्ट ने आदेश के पालन के लिए सरकार को चार सप्ताह का समय दिया था। आदेश का पालन नहीं होने पर अवमानना याचिका की कार्रवाई की स्थिति बन सकती है। अब सरकार ने दोबारा सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। मामले में आगे का निर्णय न्यायालय की सुनवाई के बाद होगा।

अवैध शराब की बिक्री रोकने कलेक्टर का आदेश मैदानी अमले को तत्काल सूचना देने के निर्देश

- पटवारी, पंचायत सचिव, एएनएम, आशा कार्यकर्ता और कोटवार करेंगे सूचना, एसडीएम, तहसीलदार या पुलिस को बतानी होगी जानकारी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः । राजधानी में अवैध शराब की बिक्री, कच्ची शराब के निर्माण, भंडारण और परिवहन पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्ती की है। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने इस संबंध में आदेश जारी कर गांवों में पदस्थ मैदानी अमले को अवैध शराब से जुड़ी गतिविधियों की तत्काल सूचना देने के निर्देश दिए हैं। आदेश के अनुसार, यदि किसी गांव में कच्ची या अवैध शराब का निर्माण, बिक्री या भंडारण हो रहा है तो संबंधित कर्मचारी इसकी जानकारी तत्काल एसडीएम, तहसीलदार या नजदीकी पुलिस थाने को देंगे, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके। निर्देश ग्राम पंचायत सचिवों, पटवारियों, ग्राम पटेलों, कोटवारों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं, आशा कार्यकर्ताओं और एएनएम को दिए गए हैं। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि लाइसेंसी शराब दुकान से पैकारी अथवा एजेंट, डायरी या किसी अन्य माध्यम से अवैध बिक्री की जानकारी मिलने पर निकटतम अनुविभागीय मजिस्ट्रेट, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट या पुलिस थाना प्रभारी को तत्काल सूचित करना होगा। कलेक्टर ने आबकारी आयुक्त, मध्यप्रदेश के निर्देशों के क्रम में यह आदेश जारी किया है। इसमें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 34(1) के तहत सूचना देने के दायित्व का भी उल्लेख किया गया है।

पुलिस की सांख्यिकी पुस्तिका-2025 का विमोचन, थानों की संख्या बढ़कर 1175 हुई

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में मध्यप्रदेश पुलिस की सांख्यिकी डाटा पुस्तिका-2025 का विमोचन किया।

इसमें पुलिस संगठन की संरचना, स्वीकृत बल, उपलब्ध संसाधनों और कार्यक्षमता से संबंधित आंकड़े संकलित किए गए हैं। पुस्तिका में 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2025 तक की जानकारी शामिल है। पुस्तिका के अनुसार, वर्ष 2025 में पुलिस बल के स्वीकृत पदों में 2673 की वृद्धि हुई है। इनमें तकनीकी सेवाओं के 1266, पुलिस बैंड के 932, हॉक फोर्स के 325 और उज्जैन जिला बल के 150 पद शामिल हैं।



प्रदेश में पुलिस थानों की संख्या भी बढ़ी है। वर्ष 2024 में 1173 थाने थे, जो उज्जैन में दो नए थानों की स्थापना के बाद बढ़कर 1175 हो गए हैं। वहीं, पुलिस वाहनों की संख्या 1150 से बढ़कर 1200 हो गई है। पुलिस के आवासीय संसाधनों में भी वृद्धि दर्ज की गई है। पुस्तिका का डिजिटल संस्करण मध्यप्रदेश पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा। इससे पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक आंकड़े आसानी से मिल सकेंगे। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक योगेश चौधरी, पुलिस महानिरीक्षक अभय सिंह और पुलिस उप महानिरीक्षक विनीत कपूर सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पी. के. विश्वविद्यालय शिवपुरी मध्य प्रदेश

पीएचडी की उपाधि



डॉ. सोनम सिंह

पी. के. विश्वविद्यालय द्वारा **सोनम सिंह** नामांकन संख्या: 220101183 **पुत्री श्री सुरेन्द्र सिंह, पत्नी श्री वीरज सिंह** को हिन्दी में प्रदान की गई पी.एच.डी की उपाधि शिवपुरी, 12 मई 2026 मध्य प्रदेश के जिला शिवपुरी की तहसील करैरा के ग्राम थनरा स्थित पी. के. विश्वविद्यालय, हिन्दी विभाग की शोधार्थिनी सोनम सिंह को डॉक्टर ऑफ फिलासफी (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की गई। बता दे कि सोनम सिंह ने अपना शोध कार्य **"मुंशी प्रेमचंद की कहानियों में नैतिकता का विश्लेषणात्मक अध्ययन"** विषय पर पूर्ण किया है। उन्होंने यह शोध **डॉ. जयसिंह यादव (असिस्टेंट प्रोफेसर),** पी.के. विश्वविद्यालय के कुशल मार्गदर्शन में सम्पन्न किया है। उम्मीदवार की पीएचडी मौखिक परीक्षा दिनांक-12 मई 2026 को प्रातः सफलतापूर्वक आयोजित की गई थी। परीक्षा के सफल समापन के पश्चात विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने अधिसूचना जारी कर उन्हें उपाधि के लिए पात्र घोषित किया। सोनम सिंह, उत्तर प्रदेश के लखनऊ जिले के हिमालयन कॉलोनी, देवी खेड़ा की निवासी है। उनकी इस शैक्षणिक उपलब्धि पर उन्हें विश्वविद्यालय परिवार और शुभचिंतकों, शोध केन्द्र के सदस्यों, प्राध्यापकों और इष्ट मित्रों ने उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।